

- (a) मुख्यमंत्री
- (b) मुख्यमंत्री एवम् मंत्रिपरिषद्
- (c) मंत्रिमण्डल
- (d) मुख्यमंत्री एवम् मंत्रिमण्डल

**RPSC College Lecturer (Sanskrit Education) 2015**

**Ans. (b) :** राज्यपाल अपने स्वविकेकी कृत्यों को छोड़कर अपने कृत्यों का निर्वहन एवं मंत्रीपरिषद् की सलाह पर करेगा, जिसका प्रधान मुख्यमंत्री होगा। अनुच्छेद 163 के अनुसार, राज्यपाल को सहायता एवं सलाह देने के लिए एक मंत्रीपरिषद् होगी। साथ ही मंत्रीपरिषद् द्वारा दी गयी सलाह की किसी भी अदालत में जांच नहीं की जायेगी।

**15. नवीन प्रोटोकॉल के अन्तर्गत अब राजस्थान के राज्यपाल को निम्नलिखित अभिवादन से सम्बोधित किया जाता है।**

- (a) "Honourable" अंग्रेजी में तथा "माननीय राज्यपाल" अथवा "राज्यपाल महोदय" हिन्दी में
- (b) "Most honourable" अंग्रेजी में तथा "अति सम्माननीय" हिन्दी में
- (c) "His/Her excellency" अंग्रेजी में तथा " महामहिम" हिन्दी में
- (d) "His/Her Royal Highness" अंग्रेजी में तथा "महाराजधिराज/महारानीधिराज" हिन्दी में

**RPSC School Lecturer-26-04-2017**

**Ans. (a) :** नवीन प्रोटोकॉल के अन्तर्गत राजस्थान के राज्यपाल को "Honourable" अंग्रेजी में तथा "माननीय राज्यपाल" अथवा "राज्यपाल महोदय" हिन्दी में शब्दों के साथ अभिवादन किया जाता है।

**16. राजस्थान के राज्यपाल में निम्न में से कौन सी शक्ति निहित नहीं है?**

- (a) विधानसभा को आहूत करने की
- (b) विधानसभा को स्थगित करने की
- (c) विधानसभा का विघटन करने की
- (d) विधानसभा के सत्रावसान की

**RPSC School Lecturer-26-04-2017**

**Ans. (b) :** अनुच्छेद 113 के अनुसार प्रत्येक राज्य का एक राज्यपाल होगा। राज्यपाल राज्य का कार्यकारी प्रमुख (संवैधानिक मुखिया) होता है। राज्यपाल को केन्द्र के प्रतिनिधि के रूप में भी कार्य करना होता है।

- राज्यपाल को कार्यकारी, विधायी, वित्तीय व न्यायिक शक्तियाँ प्राप्त होती हैं
- राज्यपाल राज्य विधान सभा का अंग होता है। उसे राज्य विधान सभा के सत्र को आहूत या सत्रावसान और विघटित करने की शक्ति प्राप्त होती है।
- राज्यपाल को विधानसभा स्थगित करने की शक्ति नहीं प्राप्त होती है। विधानसभा को स्थगित करने की शक्ति विधानसभा अध्यक्ष के पास होती है।

**17. पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर के सभापति कौन है?**

- (a) राजस्थान के राज्यपाल

- (b) राजस्थान के मुख्यमंत्री
- (c) राजस्थान के पर्यटन मंत्री
- (d) उदयपुर के संभागीय आयुक्त

**RPSC College Lecturer 31-10-2018**

**Ans. (a) :** पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर के सभापति राजस्थान के राज्यपाल हैं। पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर 'ए क्राफ्ट विलेज' स्थापित करने वाला पहला केन्द्र था। इस क्षेत्र में राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र एवं गोवा राज्य शामिल हैं इसका मुख्यालय ऐतिहासिक बागौर-की-हवेली में स्थित है।

**18. निम्नांकित में से कौन पद ग्रहण करने से पूर्व राजस्थान के राज्यपाल के समक्ष पद की शपथ लेता है/लेते हैं?**

- (a) राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष
  - (b) राजस्थान का लोकायुक्त
  - (c) राज्य निर्वाचन आयुक्त
  - (d) राजस्थान का महाधिवक्ता
- सही उत्तर का चयन कीजिए:

- (1) केवल (A)
- (2) केवल (A) और (B)
- (3) केवल (A), (B) और (C)
- (4) (A), (B), (C) और (D)

**RPSC SI 03-09-2021**

**Ans. (d) :** राजस्थान का राज्यपाल राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष, राज्य के लोकायुक्त, राज्य महाधिवक्ता तथा राज्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति करता है। ये सभी पदाधिकारी अपना पद ग्रहण से पूर्व राज्यपाल के समक्ष पद की शपथ लेते हैं।

**19. निम्नलिखित में से किसे सबसे पहले राजस्थान के राज्यपाल का अतिरिक्त कार्यभार दिया गया?**

- (a) टी.वी. राजेश्वर
- (b) कैलाशपति मिश्रा
- (c) धनिक लाल मण्डल
- (d) स्वरूप सिंह

**Kanisht Abhiyanta (Civil) 18.05.2022**

**Ans. (d) :** सबसे पहले राजस्थान के राज्यपाल का अतिरिक्त कार्यभार स्वरूप सिंह को दिया गया। स्वरूप सिंह अगस्त, 1991 से फरवरी, 1992 ई. तक राजस्थान के राज्यपाल रहे। धनिक लाल मंडल मई, 1993 से जून, 1993 ई तक, कैलाशपति मिश्रा सितम्बर, 2003 से जनवरी, 2004 तक राजस्थान के अतिरिक्त प्रभार वाले राज्यपाल थे।

**20. राजस्थान में राज्यपाल का पद राजप्रमुख का उत्तरवर्ती है। 30 मार्च, 1949 को जब वृहत् राजस्थान राज्य का गठन किया गया, तब राजप्रमुख किसे बनाया गया?**

- (a) सवाई जयसिंह
- (b) सवाई मानसिंह
- (c) महाराव भीमसिंह
- (d) महाराणा भूपालसिंह

**पटवार-2020 (23 अक्टूबर, 2021)**

**Ans. (b) – 30 मार्च, 1949 को जब वृहत् राजस्थान राज्य का गठन किया गया, तब जयपुर के महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय को राजप्रमुख बनाया गया। राज्य पुनर्गठन आयोग की सिफारिशों के आधार पर, 1 नवंबर, 1956 से राजप्रमुख की संस्था को 7वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा समाप्त कर दिया गया। 25 अक्टूबर, 1956 को श्री गुरुमुख निहाल सिंह को राजस्थान के पहले राज्यपाल के रूप में नियुक्त किया गया।**